सुमेरपुर में खुली स्पार्टन क्रिकेट एकेडमी, रवि बिश्नोई ने युवाओं को दिए सफलता के टिप्स

पाली

सुमेरपुर-शिवगंज क्षेत्र के युवा क्रिकेटरों के लिए बड़ी खुशखबरी है। अब उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और आधुनिक सुविधाओं के लिए जोधपुर या जयपुर का रुख नहीं करना पड़ेगा। भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रवि बिश्नोई ने सुमेरपुर में स्पार्टन क्रिकेट एकेडमी का शुभारंभ किया है। एकेडमी में अंतरराष्ट्रीय स्तर के टर्फ विकेट और आधुनिक कोचिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

इससे क्षेत्र की प्रतिभाओं को अपने घर के पास ही बेहतर प्रशिक्षण मिलने के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर मिल सकेगा। सुमेरपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में क्रिकेट को लेकर युवाओं में लंबे समय से खासा उत्साह रहा है, लेकिन बेहतर बुनियादी ढांचे की कमी उनके सामने बड़ी चुनौती थी। क्षेत्र में न तो बड़ी निजी क्रिकेट एकेडमी थी और न ही ऐसा सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम, जहां खिलाड़ी नियमित रूप से पेशेवर प्रशिक्षण ले सकें।

इसके चलते प्रतिभावान खिलाड़ियों को पाली, जोधपुर और जयपुर जाना पड़ता था। इससे समय और पैसे का खर्च बढ़ता था और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के कई खिलाड़ी दूरी के कारण अपना क्रिकेट करियर भी छोड़ देते थे।

सुमेरपुर की गायत्री कालोनी में स्थित स्पार्टन क्रिकेट एकेडमी की नई शाखा का विधिवत शुभारंभ मार्च 2026 में किया गया था। इसके बाद यहां सुविधाओं का विस्तार किया गया है। खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए उच्च गुणवत्ता वाले टर्फ विकेट तैयार किए गए हैं। अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

इसके अलावा खिलाड़ियों की फिटनेस और शारीरिक क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। एक विशेष कार्यक्रम के दौरान रवि बिश्नोई ने एकेडमी पहुंचकर युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने नेट अभ्यास के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखा और उन्हें खेल की बारीकियों से जुड़े सुझाव दिए। खिलाड़ियों ने बिश्नोई के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और आटोग्राफ भी लिए। रवि बिश्नोई ने कहा कि राजस्थान के छोटे शहरों और कस्बों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत सिर्फ सही मार्गदर्शन और अवसर देने की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एकेडमी के जरिए युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

नीरज चोपड़ा का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, लुसाने डायमंड लीग में 88.05 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर

लुसाने। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने लुसाने डायमंड लीग में सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 88.05 मीटर का थ्रो किया, लेकिन वह खिताब जीतने से महज नौ सेंटीमीटर से चूक गए। श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने 88.14 मीटर के थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर उतरे नीरज ने पहले प्रयास में 83.54 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद दूसरे प्रयास में उन्होंने 88.05 मीटर की दूरी तय कर सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। दूसरे दौर के बाद नीरज शीर्ष पर चल रहे थे। नीरज का यह पिछले साल जून में पेरिस डायमंड लीग के बाद पहला 88 मीटर से अधिक का थ्रो भी रहा। हालांकि, राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पथिरागे ने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर का थ्रो कर नीरज को पीछे छोड़ दिया। दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन में महज नौ सेंटीमीटर का अंतर रहा, लेकिन यह अंतर पथिरागे के लिए खिताब जीतने के लिए पर्याप्त साबित हुआ। यह इस साल डायमंड लीग में पथिरागे की तीसरी जीत है।

आर्यवीर सहवाग: जब पिता की आक्रामकता बेटे के बल्ले से गूंजी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग के मंच पर एक युवा बल्लेबाज ने जिस निडरता और आक्रामकता के साथ बैकफुट पर गेंद को बाउंड्री के पार भेजा, उसने क्रिकेट प्रेमियों को लगभग दो दशक पहले के उस स्वर्णिम युग की याद दिला दी, जब वीरेंद्र सहवाग दुनिया के सबसे खूंखार गेंदबाजों के लिए एक दु:स्वप्न बनकर उभरे थे। अरुण जेटली स्टेडियम का नजारा बिल्कुल वैसा ही था, जहां गेंद को उसकी दिशा दिखाने और गेंदबाजों के पसीने छुड़ाने का वह साहसिक अंदाज फिर से जीवंत हो उठा। यह मौका था टूर्नामेंट के 35वें मुकाबले का, जहां वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने अपनी नई टीम वेस्ट दिल्ली लायंस की तरफ से मैदान पर कदम रखा। न्यू दिल्ली टाइगर्स के खिलाफ खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में, आर्यवीर सहवाग ने अपनी पहली ही पारी से यह स्पष्ट कर दिया कि क्रिकेट की आक्रामकता उनके खून में दौड़ रही है। उन्होंने महज 14 गेंदों का सामना करते हुए चार करारे चौकों की मदद से 22 रन बनाए। भले ही यह पारी लंबी न रही हो, लेकिन क्रीज पर बिताए चंद मिनटों में ही उन्होंने अपनी निर्भीक शैली और शानदार टाइमिंग से दर्शकों और क्रिकेट विशेषज्ञों का दिल जीत लिया। उनकी बाडी लैंग्वेज और बल्लेबाजी में पिता वीरेंद्र सहवाग की स्पष्ट छाप झलक रही थी, जो हर क्रिकेट प्रेमी के लिए एक सुखद अनुभव था।

हाकी वर्ल्ड कप:भारत के सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम, अब आस्ट्रेलिया के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैंपियन नीदरलैंड्स के खिलाफ महिला हाकी विश्व कप के दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारतीय टीम को 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस नतीजे से भारतीय खेमे को झटका जरूर लगा है, लेकिन कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई वाली टीम के लिए सेमीफाइनल के दरवाजे अभी पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। पूल-ई के समीकरण ऐसे हैं कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत और अनुकूल परिणाम भारत को अंतिम चार में पहुंचा सकते हैं। दूसरे दौर के पूल-ई में चार टीमें शामिल हैं और शीर्ष दो टीमें सीधे सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। नीदरलैंड्स अपने दोनों मुकाबले जीतकर छह अंकों के साथ शीर्ष पर है। उसका गोल अंतर भी प्लस चार है। चीन ने दोनों मैच ड्रा खेले हैं और दो अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत और आस्ट्रेलिया के खाते में एक-एक अंक है। दोनों टीमों का गोल अंतर माइनस दो है, लेकिन आस्ट्रेलिया ने तीन गोल किए हैं, जबकि भारत के नाम दो गोल हैं। इसी बेहतर स्कोरिंग रिकार्ड के कारण आस्ट्रेलिया तीसरे और भारत चौथे स्थान पर है। अब भारत को अपने अंतिम मुकाबले में आस्ट्रेलिया को हराना ही होगा। जीत के साथ भारतीय टीम के चार अंक हो जाएंगे और सेमीफाइनल की उम्मीद मजबूत हो जाएगी। ड्रा की स्थिति में भारत के केवल दो अंक होंगे।

खिताब के लिए शीर्ष दो टीमों में भिड़ंत, गुवाहाटी रायल्स और बरपेटा ब्रेव्स फाइनल में आमने-सामने

गुवाहाटी

पहली असम प्रीमियर लीग (एपीएल) के खिताबी मुकाबले में लीग चरण की शीर्ष दो टीमें गुवाहाटी रायल्स और बरपेटा ब्रेव्स रविवार, 23 अगस्त को गुवाहाटी के असम क्रिकेट संघ स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। मुकाबला शाम सात बजे से खेला जाएगा। दोनों टीमों ने लीग चरण में 14-14 अंक हासिल किए। बेहतर नेट रन रेट के आधार पर गुवाहाटी रायल्स 0.920 के साथ शीर्ष पर रही, जबकि बरपेटा ब्रेव्स का नेट रन रेट 0.614 रहा।

गुवाहाटी रायल्स ने बारिश से प्रभावित सेमीफाइनल में बराक लीजेंड्स को सात विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। रोहित सेन ने 26 गेंदों पर 62 रन की शानदार पारी खेली, जबकि बास्तव राय ने 18 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। बस्तव राय 22 विकेट के साथ टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

वहीं, बरपेटा ब्रेव्स ने रोमांचक सेमीफाइनल में डिब्रूगढ़ वारियर्स को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सौरव मौसुम दिहिंगिया ने नाबाद 63 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। गेंदबाजी में शुभम कुमार गुप्ता 19 विकेट के साथ टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं।

बरपेटा ब्रेव्स को फाइनल में नियमित कप्तान डेनिश दास की कमी खलेगी। डुलेप ट्राफी की प्रतिबद्धताओं के कारण वह टीम से अलग हो गए हैं। ऐसे में अन्य खिलाड़ियों पर टीम को खिताब तक पहुंचाने की जिम्मेदारी होगी।

फाइनल की विजेता टीम को 50 लाख रुपये, जबकि उपविजेता टीम को 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। लीग चरण की शीर्ष दो टीमों के बीच होने वाला यह मुकाबला असम प्रीमियर लीग के पहले चैंपियन का फैसला करेगा।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाहर मंकी व्हिस्परर की गूंज, लंगूर की आवाज निकालकर बंदरों को भगाते हैं ये लोग

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में जब बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन विश्व चैंपियनशिप जैसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन होता है, तब इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के भीतर दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी शटल पर दमखम दिखाते हैं। वहीं स्टेडियम के बाहर एक अलग तरह की चुनौती से निपटने की जिम्मेदारी कुछ ऐसे लोगों पर होती है, जिन्हें आम तौर पर मंकी व्हिस्परर कहा जाता है। ये लोग लंगूर की आवाज की नकल करके बंदरों को स्टेडियम परिसर से दूर रखने का काम करते हैं। स्टेडियम के गेट नंबर 16 के आसपास इरफान और अब्बास जैसे युवा लगातार निगरानी करते हैं। उनके पास कोई विशेष उपकरण नहीं होता। बंदरों को भगाने के लिए वे ईक-ईक-ईक और हूप-हूप जैसी आवाजें निकालते हैं, जो ग्रे लंगूर की चेतावनी भरी आवाज की नकल होती हैं। रीसस मकाक यानी आम बंदर लंगूरों से स्वाभाविक रूप से डरते हैं। ऐसे में पेड़ों या स्टेडियम के ऊंचे ढांचे पर बंदरों का झुंड नजर आते ही ये लोग लंगूर जैसी आवाज निकालते हैं और बंदर अक्सर दिशा बदलकर वहां से चले जाते हैं। हालांकि बड़े आयोजनों में इस व्यवस्था को लेकर सवाल भी उठते रहे हैं। खेल प्राधिकरण और नगर निगम आधिकारिक तौर पर ऐसे कर्मचारियों की नियुक्ति से दूरी बनाते हैं, जबकि ठेकेदारों के जरिए तैनात कर्मी सुबह नौ से शाम पांच बजे तक निगरानी करते हैं। बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने इस व्यवस्था के समर्थन में विंबलडन का उदाहरण देते हुए कहा था कि वहां कबूतरों को कोर्ट से दूर रखने के लिए प्रशिक्षित बाज रूफस का इस्तेमाल किया जाता है। दिल्ली में यह पेशा कई दशक पुराना है। शाहरुख खान और वसीम खान के मुताबिक, उनके पिता नजर अली करीब 40 साल पहले लखनऊ से चार लंगूर दिल्ली लाए थे। बाद में वे सरकारी परिसरों से बंदरों को दूर रखने लगे। वर्ष 2012 में जंगली जानवरों के व्यावसायिक और बंधक इस्तेमाल पर रोक के बाद उन्हें अपने लंगूर छोड़ने पड़े। इसके बाद परिवार ने लंगूरों के साथ वर्षों के अनुभव को उनकी आवाज की नकल में बदल दिया। इन लोगों को करीब 800 रुपये की दैनिक मजदूरी मिलती है और काम में बंदरों के काटने का खतरा बना रहता है। विशेषज्ञ इस तरीके को अस्थायी समाधान मानते हैं और नेटिंग जैसे उपायों पर जोर देते हैं। वहीं, ये मंकी व्हिस्परर चाहते हैं कि उनकी अगली पीढ़ी शिक्षा हासिल कर सुरक्षित रोजगार चुने।

फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाड़ी से भिड़ने पर मेसी पर लगा जुर्माना

मियामी

इंटर मियामी के स्टार फुटबालर लियोनेल मेसी पर मेजर लीग साकर (एमएलएस) ने फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाड़ी क्विन सुलिवन के साथ मैदान पर हुई झड़प के मामले में अज्ञात राशि का जुर्माना लगाया है। मेसी के इंटर मियामी साथी इयान फ्रे पर भी जुर्माना लगाया गया है।

यह घटना मैच के अतिरिक्त समय के 11वें मिनट में हुई, जब मेसी गेंद के खेल में होने के दौरान क्विन सुलिवन का सामना करने के लिए सेंटर सर्किल की ओर पहुंचे। दोनों के बीच कुछ देर बातचीत हुई, जिसके बाद मेसी ने सुलिवन की गर्दन के पीछे हाथ मारा।

एमएलएस की अनुशासन समिति ने कहा कि मेसी और फ्रे पर विपक्षी खिलाड़ी के चेहरे, सिर या गर्दन पर हाथ लगाने संबंधी लीग की नीति का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया है।

सुलिवन के भाई का लाल कार्ड हुआ रद्द

घटना के दौरान मेसी और सुलिवन को रेफरी ने कोई कार्ड नहीं दिखाया। हालांकि, मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प में फिलाडेल्फिया के क्विन के छोटे भाई और टीम साथी कैवन सुलिवन तथा इंटर मियामी के मिडफील्डर यानिक ब्राइट को लाल कार्ड दिखाया गया।

बाद में स्वतंत्र समीक्षा पैनल ने सर्वसम्मति से कैवन सुलिवन के पक्ष में फैसला दिया और उनका लाल कार्ड रद्द कर दिया गया। इसके बाद वह फिलाडेल्फिया यूनियन के अगले मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे।

2-2 से ड्रा रहा मुकाबला

चेस्टर के सुबारू पार्क में खेला गया यह मुकाबला 2-2 से ड्रा रहा। मेसी ने 26वें मिनट में गोल कर इंटर मियामी के लिए अहम योगदान दिया।

सचिन तेंदुलकर के 4 बड़े वर्ल्ड रिकार्ड पर जो रूट की नजर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट लगातार रिकार्डों के मामले में सचिन तेंदुलकर के करीब पहुंचते जा रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में रूट ने 66 रन बनाकर अपने टेस्ट करियर की 68वीं फिफ्टी पूरी की। इसके साथ ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है। हालांकि, सचिन के नाम 119 फिफ्टी प्लस स्कोर का विश्व रिकार्ड भी दर्ज है, जिस पर अब रूट की नजर है। सचिन तेंदुलकर ने अपने 200 टेस्ट मैचों के करियर में 51 शतक और 68 अर्धशतक की मदद से कुल 119 बार 50 से अधिक रन बनाए। वहीं जो रूट 167 टेस्ट में 41 शतक और 68 अर्धशतक के साथ 109 फिफ्टी प्लस स्कोर बना चुके हैं। दोनों के बीच अब सिर्फ 10 ऐसे स्कोर का अंतर रह गया है। रूट जिस निरंतरता के साथ टेस्ट क्रिकेट में रन बना रहे हैं, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि वह आने वाले समय में सचिन का यह रिकार्ड भी चुनौती दे सकते हैं। रूट की नजर केवल 50 से अधिक रन बनाने के रिकार्ड पर ही नहीं है। वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने, सबसे ज्यादा शतक लगाने और सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने के मामले में भी सचिन के करीब पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स की शानदार जीत, आउटर दिल्ली वारियर्स को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली

गेंदबाजों और मध्यक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में आउटर दिल्ली वारियर्स को सात विकेट से हरा दिया। राइडर्स ने 135 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी आउटर दिल्ली वारियर्स की टीम 19.1 ओवर में 134 रन पर आलआउट हो गई। ईस्ट दिल्ली के गेंदबाजों ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए। एक समय आउटर दिल्ली की टीम 68 रन पर सात विकेट गंवा चुकी थी।

हर्ष त्यागी ने 33 गेंदों पर 36 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला और पूरी टीम 134 रन पर सिमट गई।

ईस्ट दिल्ली की ओर से मयंक यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट लिए। आशीष मीणा ने भी तीन विकेट हासिल किए और 25 रन दिए। सिमरजीत सिंह ने चार ओवर में 20 रन देकर दो विकेट झटके।

काव्या और वैभव ने दिलाई आसान जीत

135 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ईस्ट दिल्ली राइडर्स की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और टीम ने कुछ विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद काव्या गुप्ता और वैभव बैसला ने मोर्चा संभालते हुए पारी को मजबूती दी।

दोनों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 71 रन की साझेदारी कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। काव्या गुप्ता 32 गेंदों पर 48 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि वैभव बैसला ने 23 गेंदों पर नाबाद 32 रन की पारी खेली।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने लक्ष्य हासिल कर सात विकेट से जीत दर्ज की। गेंदबाजों ने टीम की जीत की नींव रखी, जिसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचाया।

स्टार्क का कहर, मैकाय टेस्ट के पहले दिन गिरे 18 विकेट; आस्ट्रेलिया को 101 रनों की बढ़त

मैकाय

आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच मैकाय में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन गेंदबाजों का दबदबा रहा और कुल 18 विकेट गिरे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों मिशेल स्टार्क और शोरिफुल इस्लाम के शानदार छह-छह विकेट के प्रदर्शन ने मैच को रोमांचक बना दिया। आस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पहली पारी में महज 64 रन पर समेटने के बाद दिन का खेल खत्म होने तक आठ विकेट पर 165 रन बना लिए हैं और उसे 101 रनों की बढ़त हासिल है।

टास जीतकर आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मिशेल स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को गली में कैच कराकर अपना खाता खोला। इसके बाद उन्होंने बांग्लादेश के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया। बांग्लादेश ने सात ओवर के भीतर 12 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे।

स्टार्क ने 22 गेंदों के भीतर पांच विकेट झटक लिए थे। मुशफिकुर रहीम ने कुछ देर उनका हैट्रिक लेने का मौका रोक दिया। मेहदी हसन मिराज और हसन महमूद ने पारी को कुछ समय संभाला और लंच तक बांग्लादेश का स्कोर छह विकेट पर 35 रन था।

लंच के बाद कमिंस ने दो और विकेट लिए, जबकि जोश हेजलवुड को भी एक सफलता मिली। इसके बाद स्टार्क ने निचले क्रम को समेटते हुए 10 ओवर में 12 रन देकर छह विकेट पूरे किए। इस प्रदर्शन के साथ वह टेस्ट क्रिकेट में 440 विकेट के आंकड़े तक पहुंच गए और डेल स्टेन के 439 विकेट के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया।

बांग्लादेश की पूरी टीम 34 ओवर में 64 रन पर सिमट गई। शोरिफुल इस्लाम 14 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। बांग्लादेश की यह टेस्ट क्रिकेट में चौथी सबसे कम पारी है।

स्मिथ-ग्रीन ने संभाली आस्ट्रेलिया की पारी

जवाब में आस्ट्रेलिया ने भी शुरुआती विकेट गंवाए। मैथ्यू रेनशा, ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद स्टीव स्मिथ और कैमरन ग्रीन ने पारी को संभाला।

दोनों ने चौथे विकेट के लिए 108 गेंदों पर 77 रन जोड़े। स्मिथ 42 रन बनाकर आउट हुए। उनके आउट होते ही आस्ट्रेलियाई पारी बिखर गई।

शोरिफुल इस्लाम ने स्मिथ को 42 रन पर एलबीडब्ल्यू आउट कर महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। इसके बाद एलेक्स कैरी 145 के स्कोर पर आउट हुए। आस्ट्रेलिया ने इसके बाद तीन रनों के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। शोरिफुल ने ब्यू वेबस्टर और पैट कमिंस को खाता खोले बिना आउट किया और फिर मिशेल स्टार्क को भी पवेलियन भेजकर छह विकेट पूरे किए।

ग्रीन ने संभाला मोर्चा

एक छोर पर कैमरन ग्रीन मजबूती से डटे रहे। उन्होंने मुश्किल पिच पर शानदार संयम दिखाते हुए नाबाद 51 रन बनाए। उनकी पारी की बदौलत आस्ट्रेलिया दिन का खेल समाप्त होने तक आठ विकेट पर 165 रन तक पहुंच सका।

संक्षिप्त स्कोर: बांग्लादेश 64 रन (शोरिफुल इस्लाम 14; मिशेल स्टार्क 6/12, पैट कमिंस 3/25) बनाम आस्ट्रेलिया 165/8 (कैमरन ग्रीन 51*, स्टीव स्मिथ 42; शोरिफुल इस्लाम 6/35)। आस्ट्रेलिया 101 रन आगे।